शादी का लड्डू-1

“मैंने बी एस सी पास कर ली थी, एक दिन मम्मी पापा की बात सुन ली। “यशू तो अब ग्रेजुएट हो गई है, अब उसका ब्याह कर देना चाहिये।” पापा ने मम्मी से कहा। “हाँ, ठीक है, बी एड तो बाद में भी कर लेगी। आप संजीव की बात कर रहे हैं ना ?” “हाँ वही […]

”

…

Story By: Yashoda Pathak (missyashoda)
Posted: मंगलवार, सितम्बर 7th, 2010
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: शादी का लड्डू-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शादी का लड्डू-1

मैंने बी एस सी पास कर ली थी, एक दिन मम्मी पापा की बात सुन ली।

“यशू तो अब ग्रेजुएट हो गई है, अब उसका ब्याह कर देना चाहिये।” पापा ने मम्मी से कहा।

“हाँ, ठीक है, बी एड तो बाद में भी कर लेगी। आप संजीव की बात कर रहे हैं ना ?”

“हाँ वही ! खासी पैसे वाली पार्टी है, मुम्बई में अच्छा बिजनेस है। लड़का भी सुन्दर है देखा-भाला है।”

मैंने भी संजीव को देखा था वो तो बिल्कुल रणवीर कपूर की तरह स्मार्ट और सुन्दर था। उसके पास तो कई कारें थी। मेरा मन खुशी से भर गया। बात चल निकली थी, पत्राचार होने लगा था, सगाई का समय दिवाली के बाद तय हुआ और शादी गर्मी के दिनों में तय हुई।

सभी कुछ अब तो निश्चित ही था, समय पास आता जा रहा था। वर्षा ऋतु भी बीत चुकी थी… नवरात्रे चल रहे रहे थे, मैं तो बस संजीव के ख्यालों में खोई रहने लगी थी। कभी कभी रात को मुझे उसके सलोने शरीर का भी विचार आ जाता था। उसका लण्ड कैसा होगा… उमेश की तरह… ? उंह नहीं… अंकित की तरह होगा… ना ना वो तो ठिगना है तो फ़िर ? मेरा संजीव तो लम्बा है… यानि कुछ कुछ राहुल जैसा होगा संजीव… उसका लण्ड भी राहुल की तरह मोटा और भारी होगा… ? कैसा लगेगा जब वो मेरी फ़ुद्दी में घुसेगा तो… ? मुझे पता है वो तो राहुल के लण्ड की तरह ही मस्त होगा।

फिर रात को जाने कब मैं चुदाई के बारे में सोच सोच कर झड़ तक जाती थी। उफ़… सत्यानाश हो इस जवानी का…। अभी तो दशहरा आने वाला था फिर दीवाली… कोशिश

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करूँगी कि सगाई के समय एक बार तो उससे चुदवा ही लूँ… पर दीवाली में तो अभी एक महीना है… धत्त… साला कैसे समय कटेगा।

उन्ही दिनों मेरा चचेरा भाई अशोक मेरे घर आया हुआ था। साधारण कद काठी का दुबला पतला सा… पर चंचल स्वभाव का था वो। उसने बस इसी साल कॉलेज में प्रवेश लिया ही था।

मेरा तो रोज ही संजीव के बारे में सोच सोच कर बुरा हाल हो रहा था। अब तो मुझे लगने लगा था कि बस वो एक बार आ कर मुझे जोर से चोद जाये। एक अनदेखे लण्ड की चाह में मेरी चूत बार बार टसुए बहा रही थी।

मुझे शादी के बारे में कुछ गुप्त बातें पता भी करनी थी कि कैसे मर्द को खुश रखा जाता है, उसे वास्तव में क्या क्या चाहिये होता है… और भी ना जाने क्या क्या मन में था। चुदाई के बारे में तो मैं सब कुछ जानती थी, शायद उसमें कुछ भी जानना बाकी नहीं था। फ़िलहाल अभी तो अशोक आंखो के सामने था। अभी तो मुझे संजीव जैसा तो अशोक ही नजर आ रहा था… । उसी से पूछूँगी… वो तो सब बता ही देगा। पर मेरे छोटे से मन को कौन समझाये कि अशोक तो खुद ही एक नासमझ लड़का था… जाने वो क्या समझ बैठे।

मैंने अशोक को जाते देख कर आवाज दी- कहाँ जा रहा है ?

“बस मन्दिर तक… अभी आता हूँ।”

घर के सामने ही मन्दिर था। वो दस मिनट में ही आ गया- हाँ, बोल क्या बात है ?

“अरे यार, कुछ प्राईवेट बात है, उधर चल… !”

मैं उसे अपने कमरे में ले आई और उससे धीरे से कहा- यार अशोक, तुझे तो मालूम ही है

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी शादी होने वाली है।”

“वो तो सबकी होती है, इसमे परेशान होने वाली कौन सी बात है ?”

“अरे शादी तो ठीक है… मुझे तो कुछ पूछना है।”

“अच्छा तो पूछ… क्या पूछना है।”

“मान लो यदि तेरी शादी होती तो तुझे तेरी पत्नी से क्या उम्मीदें होती ?”

“अरे यशोदा… मेरी बहन… मत पूछ… बस सबसे पहले तो मैं चाहूँगा कि वो मुझे खूब प्यार करे…!”

“अच्छा और… ?”

“फिर बस मस्ती से चुदवा ले !अरे… सॉरी…”

“अरे कुछ नहीं… चलता है। मरवायेगा साला… धीरे बोल…”

उसके इस तरह ‘चुदवा ले’ कहने मुझे एक अजीब सा अहसास हुआ।

“क्या हुआ… ओह… मेरा मतलब है सुहागरात से था…”

“नहीं वो तो ठीक है… पर फिर तुम उससे क्या अपेक्षा रखोगे… ?”

“यशू… रात को बताऊँगा… पर नाराज मत होना !”

“साला, तू क्या बतायेगा, ठीक है शाम को ही सही।”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे तो उसकी बातों से लगा कि वो मुझे फ़्लर्ट करना चाह रहा है। साला कैसा बोला था मस्ती से चुदवा ले… फिर मुझे उसके लिये कुछ कशिश सी महसूस होने लगी। शायद यह संजीव के बारे में अधिक सोचने के कारण थी कि मैं अनजाने में ही चुदासी हो रही थी। मैं फिर से आकर बिस्तर पर लेट गई। मेरे मन में फिर से ऐसा लगने लगा कि संजीव मानो मुझे चोद रहा हो। मेरा काला टाईट पजामा मानो शरीर में चुभने लगा था। मेरी छोटी छोटी सी चूचियाँ कड़ी हो गई। निप्पल तो फ़ूल कर जैसे फ़ट जायेंगे। ओह्ह… मैंने जल्दी से अपनी टाईट पजमिया उतार दी और एक ढीला ढाला सा घर का पायजामा पहन लिया। पर तन तो जैसे अकड़ा जा रहा था। उसी समय वहाँ से अशोक गुजरा। ना चाहते हुये भी मैंने उसे आवाज दे कर अपने कमरे में बुला लिया, तुरन्त दरवाजे को बन्द कर दिया।

“वो तूने तो बताया ही नहीं कि… ?”

“चुप… देख बताता हूँ… तूने कभी किसी लड़के से दोस्ती की है ?”

“अरे ना बाबा ना… मैंने तो किसी लड़के के बारे में सोचा तक नहीं !” झूठ बोलने में तो मेरा क्या जाता। मैं क्यू बताऊँ कि मैं तो स्कूल के समय से ही चुदाती आ रही हूँ।

“तभी तो ये उतावलापन है… तुझे तो पूरा ही समझाना पड़ेगा।”

“तो समझा दे ना रे… मुझे भी कुछ तो पहले से ही मालूम रहेगा।”

“देख, तू यहाँ बिस्तर पर बैठ जा… हाँ ऐसे…”

उसके बताने पर मैं बिस्तर पर अपने पांव को समेट कर बैठ गई। उसने पास में पड़ी मेरी चुन्नी मेरे सर पर यूँ डाल दी जैसे कि घूंघट हो। मुझे तो ये सब पता था… पर उसके साथ ये सब करने में खेल जैसा लग रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“अब मान ले कि मैं संजीव हूँ… देख बीच में कोई गड़बड़ मत करना… मुझे संजीव ही समझना।”

“अरे ठीक है ना… अब आगे तो बोल।”

उसने आगे बढ़ कर धीरे से मेरा घूंघट उठाया और मेरी ठुड्डी पकड़ कर मेरा चेहरा ऊपर उठाया। मुझे तो वास्तव में अब शरम आने लगी थी।

“बहुत खूबसूरत लग रही हो।”

मेरी आँखे स्वत: ही झुक गई थी, शर्म सी भी आने लगी थी, मानो सच में संजीव ही हो।

“तुम्हारे गोरे गोरे गाल, ये सुन्दर आँखें, ये गुलाबी होंठ… चूमने को मन करता है।”

अरे बाप रे… मेरी तो सांसें अपने आप तेज होने लगी। छोटी छोटी छतियाँ लम्बी सांसों के कारण ऊपर नीचे होने लगी। उसका चेहरा मेरे नजदीक आ गया। उसने जानबूझ कर मेरे होंठो से अपने होंठ टकरा दिये। मेरी आँखें किसी दुल्हन की तरह बन्द सी होने लगी।

उसने थोड़ा सा इन्तजार किया… मेरे विरोध ना करने पर उसने मेरे होंठ अपने होंठों पर दबा दिये। मेरा मुख अपने आप खुल गया… उसने मेरे नीचे के होंठ अपने होंठों से चूस लिये। मैंने भी उसकी सहायता की। मुझे भी लग रहा था कि इस समय मुझे कोई रगड़ कर रख दे ! मेरा सारा तन झनझना रहा था, एक अनजानी कसक से तड़पने लगा था। मेरी चूचियाँ तन कर कठोर हो गई थी।

अचानक उसके हाथ मेरे छोटे से कठोर मम्मों पर आ गये। मुझे राहत सी लगी… बस अब जोर जोर से दबा दे मेरी तड़पती हुई चूचियों को…

उसने मुझे धीरे से बिस्तर पर लिटा दिया। वो मुझ पर तिरछा लेट गया। वो मुझे बेतहाशा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चूमने लगा। मैं तो जैसे हवा में उड़ने लगी थी। मेरा तन चुदासा होता जा रहा था… चूत को लण्ड खाने की जोर से लग रही थी। यह भूल गई थी कि ये सब मेरे साथ मेरा चचेरा भाई ही कर रहा था। उसने मेरी छातियाँ ज्यों ही दबाई, मेरे तन में चिंगारियाँ छूटने लगी। चूत सम्भोग के लिये अपने आप ही तैयार हो गई थी। उसमें से प्यार की बूंदें रिसने लगी थी। मैंने भी अनजाने में अपने हाथ उसकी कमर के इर्द गिर्द कस लिया था। मेरी टांगें चुदने के लिये बरबस ही उठने लगी थी। एक तेज मीठी सी खुजली चूत में होने लगी थी।

अचानक अशोक ने मेरा टॉप ऊपर से खींच कर उतार दिया। मैं और भी उन्मुक्त सी हो उठी। मेरी कठोर चूचियाँ खुली हवा में नंगी हो गई थी।

तभी अशोक ने भी अपनी कमीज उतार दी, उसने अपनी टांगें उठा कर मेरी कमर में फ़ंसा दी… फिर धीरे से सरक कर मेरे ऊपर आ गया और मुझे दबा लिया।

“उफ़्फ़… ये क्या… अह्ह्ह्ह… अशोक… उफ़्फ़ !!”

“बस तुम्हें संजीव के यही करना है।”

“अशोक… उह्ह्ह… कितना मजा आ रहा है…”

“अब चुदने की लग रही है ना… चोद दूँ… ?”

“तू क्या कह रहा है ? बहुत खराब है तू तो… ?”

तब उसने बैठ कर मेरी टांगें ऊँची करके मेरा ढीला ढाला सा पायजामा उतार दिया। मेरा मन खिल उठा… सच में अब तो चुदाई का आनन्द आ ही जायेगा। मुझे उसने अब पूरी नंगी कर दिया था। उसने भी जल्दी से अपनी पैंट उतार दी और मेरे ऊपर नंगा लेट गया। हाय रे… दो नंगे जिस्म… आपस में मिल गये…

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गर्म गर्म से शरीर का कितना सुखद स्पर्श लग रहा था, उसका भारी लण्ड मेरी पनियाई हुई चूत को रगड़ रहा था, उसका खिला हुआ सुपारा मेरी गीली चूत को रगड़ा मार रहा था।

मेरी तो सांसें सांसें बहुत तेज हो उठी थी। धड़कन भी तेजी लिये हुये थी।

“उफ़्फ़्फ़… जाने देर क्यूँ कर रहा है…”

कहानी जारी रहेगी।

शादी का लड्डू-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

रिश्तेदार लड़की के साथ देशी चुदाई कहानी

अन्तर्वासना मेरी पसंदीदा साईट है देशी चुदाई कहानी की… मेरी उम्र 20 साल है और मैं औसत शरीर का मालिक हूँ, मेरी हाईट 5’8” है। मेरे लंड की लम्बाई 6 इंच है और मोटाई 2.5” है। कुल मिलाकर मैं एक […]
Full Story >>>

चांदनी रात में चूत का पानी मामा की लड़की का

मामी की लड़की की चुत का पानी मैंने खुली छुत पर चांदनी रात में निकाला. चुदाई की कहानी के इस संसार में मेरा आप सभी को नमस्कार। मेरा नाम आकी बूब्स लवर है.. मैं नागपुर से हूँ। मैं 28 साल […]
Full Story >>>

दीदी के देवर की शादी में दीदी की ननद की चुदाई

दोस्तो, मैं किशुक फिर हाजिर हूँ, मैं काफी स्मार्ट हूँ, ऐसा मैं नहीं मेरे दोस्त कहते हैं। मेरा कद 5’10” हैं और मेरा लन्ड काफी लंबा और मोटा है जो किसी भी लड़की की चूत को फाड़ सकता है। मेरे […]
Full Story >>>

दीदी की ननद को चोद के चुदाई का पहला सुख दिया

मैं मनोज, उम्र 25 साल, बरेली में रहता हूँ। मैंने अन्तर्वासना की कहानियाँ बहुत पढ़ी, मैंने आज तक कई लड़कियों को चोद कर मजा दिया है. अब मैं अपनी कहानी पर आता हूँ. यह बात आज से 3 साल पहले […]
Full Story >>>

चाचा ससुर के मोटे लंड से बहु की चुदाई की सेक्सी कहानी

आज मैं अपने जीवन की ससुर बहु सेक्स की सच्ची कहानी लिख रही हूँ, चाचा ससुर ने बहु की चुदाई कैसे की. आशा है कि आप सभी को पसंद आएगी। मैं शिवानी हूँ.. इंदौर में रहती हूँ। मेरी उम्र 38 […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire